



(जयजय)
नमो नमि ॥ १ ॥

श्रीनृसिनाथयनमः॥ ३ ॥ धननादिः ॥ क ॥ अष्टतकवकलानं
सुखदीयातनमं सिद्धसुप्रतिनः ॥ सा वक्रयास्तसंगं ॥ गताविमूनध
दहं याकती सा सुजंगं ॥ अक्रयावनन सुवायाय जिहकिर्नमं ॥ ॥ ध
ननादि ॥ म ॥ नाग ॥ मालता ॥ ज ॥ जयजयनतपति ॥ पं ॥ निवग
ति क्रयागति ॥ ॥ ॥ जगतसर्मगल ॥ म ॥ यातदकावसयासाव ॥
खं ॥ निवसुगभसितगंग तनंगवदयाखु ॥ प ॥ गताविवदि

क्रस ॥ लं ॥ संसावसमरुतावक्रवसुताकुरुलजगतयासाव
॥ ख ॥ नाजनाजनरगति तस्यधम जयप्रकाशनकालः विद्यतः
नामनयातामाननसुकरखलधमाव ॥ ॥ जयजयनाथमरुगं ॥ ॥
॥ ज ॥ वृषस्याक्रसगल ॥ ॥ ॥ याखतनसुनकूल ॥ पं ॥ पुमथयासं
गत ॥ म ॥ मालमालसिद्धवान ॥ ख ॥ ससमलपितमंगति सासिद्ध
सुजंग ॥ प ॥ अस्तमदक्रस ॥ लं ॥ अस्तयासाजसिद्धधुदुगुलिन

पुथमस
सुनसुन॥२

पञ्चसमान॥ ॥**धनसूत्रवचन॥ म ॥ नाग॥ नाट॥ ७ ॥**यथमस
सुनसुनश्लपनवचन'अनधनात्रीधननटनयादुसंरुतकविद्यनर
यअतिसिद्धवचन'मित्रसदवयाखसि'गस्यसगंग'सूत्रस्यदका
धनकायाउमहम'नसदकापनगस'याहाउविगम॥धूदुगुलिज
लिदहा'जातासुजगम'लाककसगस'जयप्रकाशननम॥ ॥
नपुष्यामरलि'शक॥ ॥धननटीउउ॥ ॥तिप॥ ॥धनदनवः

नगनर
कनदन॥३

सुता॥ म ॥ नाग॥ काहि॥ ५ ॥नगनलक्षणदून'कान्तिपूनरिद
पूनदनपूनगल'शूरुअधधिक॥तल'शविआकधन'कूमानीसही
त'पशुपतिगुअधनी'जगतयाहीन॥धनमसुनसुशउ'जनगुलधू
ल'महानदिनिषदून'पूअरुयामूल॥अधियतिजयपनकागसूधी
न'कविआवचनरिदधनमसूधीन॥ ॥मपू३॥ ॥**धननाजव**
सुता॥ म ॥ नाग॥ सानथ॥ ४ ॥नविकूलकमलया'याकविका

नविदुन
कमले॥४

मनस
नमः॥५॥

म नाजवनसूदन जयपनकाग ॥ विष्णुसमान ॥ ५ ॥ कूलदवीरज
नसंमनधिनयाक नीतिनिपूनशुभुनिक्कउजाक ॥ पृथिविगश
उजासूदसमान जूनशनगुलयापुनयाकदान ॥ पूनजनल
हिकनयागगुलिमान कविनसियाउ कालथूलसगहान ॥ ॥
मपू५ ॥ **॥ धनसूदनटीझाक ॥ म ॥ नाग ॥ नाट ॥ प ॥ मनसस**
नसयासुउकाउसराशु' विमययातकनूया जयपनकाग ॥

मनस
नमः॥५॥

नलेश्वनउदरावपाखनपुकाग' याउधमनधियजमलायभा
॥ ॥ मपू५ ॥ ॥ लू१ ॥ **॥ धनसदादवपावतिजंयाविजयाक**
सादनसूनादनयापवन ॥ म ॥ नाग ॥ वलालि ॥ या ॥ ग्णेश्वनसु
वनसुशलपवनवम नटनयाकुसुधनि गिवसिदवम ॥ यनिजनस
हिकनसुनसुशयाउ जयपकागनकाल वसिकखकाउ ॥ ॥
धनविप्रम ॥ ॥ धनसदादवयामहिमाश्रमक ॥ ॥ धनसदा

प्रिय नया ॥ २

धनमहादेवपतिकागीक्षसुतां ॥ म ॥ नागा ॥ नानुवा ॥ य ॥ प्रिय
नया ॥ अत न स म न या ॥ ॥ ॥ गुणगुलिगलदत निवधया मूलव
त व न म अ सि उ ना य ला क ॥ इ ल म न सा य न त य न य स धि न म न
अ न या न सि क गु ल ला क ॥ न या ल या अ धि व नि द या ल चि मि धा
प ति ज य प न का न क ला क ॥ क न क न त न म य रू न क ल या प
र य ॥ य गु लि प दा न थ ला क ॥ ॥ धन प र्व त लि का य ॥

प्रिय नया ॥ १०

यै ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ धन द व ल न दी त य ॥ ॥ धन दि मा ल य म क
ना गु ढ सा व गु ढ क र्म र ल्या नि क व न क व या ॥ ॥ म ॥ ना ग
॥ ॥ प्रि ॥ प्रि ॥ प्रि य न या ध नि उ न मि जि स मू ढा ॥ ॥ ॥ ग न द न स
व न दि नि व ध या ना ज अ न नि व र ज ल प सा ध या य का ॥ द या ल
चि मि या य गु न प नि न ला क ॥ अ स द न स न या स प दा न थ ला क ॥ ॥
म प ॥ ॥ धन म नि क सि का न दि मा ल य न स न या क ॥ ॥ सि प ॥

निवपन
निवपन ॥११

धनरात्यापनिभनदकासकलंदाविडाउगउ॥ ॥ धनरात्यापः
नि निभनदकासकलंदाविडाउगउ॥ ॥ धनदिमालयभनानिभननराजना
याक॥ म॥ नाग॥ मानूधनाश॥ पु॥ निवयापाविपलजिनरा
जलपयासमानसथान॥ ध॥ कामज्जदिनजयलपज्जउविभ
जिभनिपूवीन॥ रावरायमदयकसुखधनलायलाकककसुपः
निवीन॥ ॥ धनदिमालयभनानिभननंधानयाकाउयाक॥

॥ ॥ धनयुमथगनदकाउउ॥ ॥ निप॥ ॥ धनरात्यापनिभः
नरात्यापराउ॥ ॥ धनरात्यालमालका॥ ॥ धनकंरादनादिपुम
धगनराउदधून॥ ॥ धनमहादवपुल्लकशउदधून॥ ॥ धन
दिमालयभनानिभननंधानमहादवपुजायाक॥ ॥ निप॥ ॥
धनमहादवज्जकनितराउ॥ ॥ निप॥ ॥ धनदिमालयप
निथउदगउ॥ म॥ नाग॥ कालाक॥ लं॥ निवपनस

निवपन
धनरास

नरुस विनववनान प्रियनूयानगनसु दयिउखमान ॥ ज
 यपनकागनृप ॐ सुमानरुल निवसुजनन दनरिनरु
 न ॥ ॥ मपू १२ ॥ ल ४ ॥ ॥ ॐ निगीनपालेश्वर महा राजाधि
 राजगीगीजयजययुकागमनदवविनत्रिनयी ३ नरेश्वरप
 दूसावनामनाटक पुथमा ३ कि ४ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ अथ द्वितीयदि
 वस ॥ ॥ धननादि ॥ म ॥ नाग ॥ रनव ॥ मपू १० ॥ जयजय ॐ

(जय २ ॐ ॥
 न ॥ १२

नरुयगोविनाथ ॥ ॐ ॥ रुगसंगयासनटन याकनिरुग
 कृतं नववससंशत जूगिनरुगसन ॥ दूवितरुजन रुगगनंज
 नदरुगगमदनामन ॥ सावकाजराव सिनसुनंगयाकउक
 न सुवनसुदवजगनकावन ॥ उकसरावन सुखयासाधन
 लाकननयनिनाजन ॥ ॥ धनवसुसुतिगधर्वनाजवदु
 पुसावतिकला गुगसुतिगधर्वगुणकनवानपालमापव

वेदविरुद्धि
नामः ॥ १४

५ नानन

॥ म ॥ नाग ॥ जय जम कि ॥ वा ॥ वसुखतिनामशुलग
भवनाजपनवमनंगरुसयासुसिदसाज ॥ क्लाककसमनि
जयपनकागनाज सुनसुसयकयाकथउकूलकाज ॥ ॥
मपू १३ ॥ ॥ विष्णुम ॥ धनगधर्वनाजाधनिगधर्वलाकडा
॥ म ॥ नाग ॥ मानव ॥ ख ॥ माननूयादमयाभरासायाउ ॥
॥ माननमननयहितकस जिनजाउ थसवलगुवसियाउ ॥

जययनकागननसगुनक्लाकाउनीतिकानज हिनकाउ ॥ ॥

॥ ॥ ल १ ॥ ॥ धननदीहिमादवलमय ॥ ॥ धननिवसक
गुडचिरुक्लानकनपनिमिलावावाकडाउ ॥ म ॥ नाग ॥
मानवा ॥ ख ॥ ॥ शयउदकावाप खगुन ॥ मनसुनसुन
थकाउ ॥ ॥ ॥ निवसजाधनि यायसुनसुन नूयामिजि
सुडाकाउ मरिधलसाखलयालपानरुलरुल सुसग

इयउाव
कावाप ॥ १५

यसाउमयाउ॥ शिदरुललाय ननमनचान जूनजागन
 नायादाउ नृपतिऊय पनकासनकाकसियं गिवनाति
 यरुउनिताउ॥ ॥ मयू १३ ॥ ॥ धनगिवरकपनिसन
 लानयाक॥ ॥ तिप॥ ॥ धनमहादवयजायाक॥ ॥ तिप॥
 ॥ ॥ धनगिवगिवधकदवयानामकायाउयाद॥ ॥ ॥ ध
 नकल्लाहल्लाखूनिऊउ॥ म॥ नाग॥ गोदासालउ

(रुनवाजा २१)
 उजात॥

(गीतमन
 ने॥ १८

॥ या ॥ हववाजाउउ ननसयाय धनिजिनधलददपनि
 लाय॥ ॥ ॥ दवयाकसहनया गुलिखसकाउ सुखनरु
 थदनय खयथउदाउ॥ नरुदगयानलाक नसामदयाउ
 मनसमजिउचान नृपतिनकाउ॥ ॥ मयू १४ ॥ ॥ धन
 खूपनिसमनिननपिहाउउराव॥ ॥ धनपापपनिदधूनः
 उउ॥ ॥ धनपापनिर्कूखयाद॥ ॥ धनकल्लाहल्लाखू

X॥ म॥ नाग॥ वनाति॥ ॥ गिवमनरजनयाय पालिपलरावन॥ ॥ ॥ रमंजनमापापदवन दे
 लनासयाकथमन उरुजनयाय नमन धसधसमानन॥ वरुजादिदउगनन धसधसमानन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दं हं हा उं ॥ ॥ धनदवलसदहा या उं निवर्लिं ग स क पा ल
 न थिय का उं नि मु नि न कि न का उं ने व अ द का ख या उं पि हा
 उं या उं न य या म वा क पा य य नि स न ख द ॥ ॥ धन खं य नि स
 न ने व अ न य हा उं ॥ ॥ धन पा य पू व ष षू क र्त्त न श उं ॥ ॥
 सा क ॥ ॥ धन खं नि क स नं नि व नि व ध क द व या ना म का या
 उं द व ल दू या उं श उं ॥ ॥ धन खं नि कं नि व नि ध क द उं या ना

मकाराया उः मल्लुला उः निक दिद्यनूयश उः ॥ ॥ धनकं सा
दव ह्नुला दव पुमथ गन निक्कंद धनं उः ॥ ॥ नि य ॥ ॥
धन पुमथ गन न उः दान श उः य नि विमान सगया उः उद सा उः
उः ॥ ॥ नि य ॥ ॥ धन धलं द द य नि द द उः सा क ॥ ॥ धन मा
का म वा नी श उः ॥ ॥ धन नि व र क य नि र्दाल न ध उः द उः ॥ न
॥ ना ग ॥ पथ म उः इ लि ॥ ॥ ॥ नि वं च नि ग र व द, गू न उ न गू उ

निवन्नि
रायका॥१८

मिजि सजनमजान धनमयाकाउ ॥ अधमखुधन नरिद
 गनिलाक शियमरुधनमगति नृपनिनहाक ॥ ॥ मपू
 ॥ ॥ धनदवलनदिलिकाय ॥ ॥ लू २ ॥ ॥ धनवसुधनि
 गधपनिउाउा ॥ ॥ दूधूम ॥ नाग ॥ शत्रध ॥ ख ॥ वानन्यादभया ॥
 ॥ ॥ धनगुणरुनिसखीपनिखानकालउां ॥ ॥ मिप ॥ ॥ धनव
 सख्युकिगंभन ॥ भ ॥ नाग ॥ कदावा ॥ वा ॥ दद दूनजिवचः

२०

१ दिन निव
वे न न ॥ २१ ॥

X (नरसमनशाले॥२२

या द्ययनं जगिह ० यायमनं द्विन न स्याष स्यामख मननस
काकरूपन ॥ ॥ धनगुणरुति सखीपनि उआ ॥ ॥ निप ॥ ॥
धनवसुध निगधर्वपनि कृतानन उं ॥ म ॥ वाग ॥ धनाश्री ॥
॥ य ॥ नसमनशल उनेमवधस यायकाज वाननया जूनयाका
अविलाग ॥ दयालद्विमिया पुशुन काल नीतिगुणवसिकज
नवगयायमाल ॥ ॥ मय २० ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ धनवतनरुण

२३ (नरसमन॥
X (रुनिगन॥२४

मत्राजाम निरुदगगरुदयायवम ॥ म ॥ वाग ॥ मालना ॥
॥ वा ॥ नरुनमनस धनशलपदवेम रुनियावतनयनि मति
मयवम ॥ कामउतिवसिकन मदधसमान नृपनिनकालगु
नरुनयनमान ॥ ॥ धनवतनरुणयनिधउवाकउं ॥ म ॥
वाग ॥ आसावलि ॥ य ॥ रुनिगदपनि मिजिनसनदकाउ ॥
॥ मनिमयवतन उकाउवानननून धउजनदका मूनः

का३॥ निवपदसगगश्या३ लायि३ सुख नृपनिनल्लाल
 कसका३॥ ॥ ल५॥ ॥ धनवसुखनिगध्वपनिष्ठनाक
 न३३॥ ॥ ह॥ ध॥ म॥ नाग॥ ध॥ ना॥ ध॥ ॥ य॥ ॥ न॥ स॥ न॥ श॥ ल॥ ३॥ न॥
 स॥ व॥ थ॥ स॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ द्वा॥ न॥ पा॥ न॥ न॥ पू॥ ना॥ दि॥ न॥ वा॥ न॥ ३॥ ॥ ॥ सु॥ नि॥ प॥
 ॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ द्वा॥ न॥ पा॥ न॥ न॥ पू॥ ना॥ दि॥ न॥ वा॥ का॥ ३॥ द॥ ३॥ ॥ ॥ नि॥ प॥ ॥
 ध॥ न॥ दि॥ दि॥ ना॥ नी॥ या॥ थ॥ स॥ द॥ द॥ ३॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ जा॥ ति॥ कि॥ न॥ च॥ ख॥ ल॥ न॥ वि॥

वा॥ न॥ या॥ क॥ वा॥ क॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ म॥ घ॥ ल॥ या॥ दू॥ न॥ दि॥ दि॥ न॥ म॥ ल॥ का॥ रा॥ ३॥ या॥ क॥
 ॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ म॥ वा॥ कू॥ ३॥ म॥ ॥ ना॥ ग॥ ॥ म॥ ना॥ न॥ ॥ वा॥ ॥ ग॥ न॥ स॥ स॥ ल॥
 अ॥ नि॥ व॥ द॥ न॥ आ॥ ३॥ अ॥ ज॥ न॥ म॥ श॥ ल॥ स्त्री॥ य॥ ह॥ प॥ नि॥ वा॥ न॥ सि॥ द॥ थ॥ स॥ सा॥
 या॥ ३॥ ग॥ ध॥ न॥ व॥ नृ॥ प॥ नि॥ स॥ क॥ या॥ सि॥ द॥ नृ॥ प॥ न॥ श॥ य॥ ३॥ यु॥ ग॥ मा॥ नी॥
 ला॥ क॥ क॥ थ॥ नृ॥ प॥ व॥ न॥ द॥ व॥ स॥ नृ॥ प॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ जा॥ ति॥ की॥ न॥ जा॥ न॥ क॥ वा॥
 ॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ दि॥ दि॥ न॥ जा॥ सि॥ ग॥ ल॥ य॥ पि॥ का॥ ३॥ द्वा॥ क॥ ॥ ॥ ध॥ न॥ जा॥ सि॥ दि॥

रा॥ न॥ स॥ म॥
 वे॥ ॥ २॥ ३॥

जिह्वान्त

वृद्धजिह्व

रुक्मिणी
सूक्त ॥ २५

दिनिष्कण्ठं गन्तव्यं ॥ म ॥ नाग ॥ ॐ ॥ वा ॥ दृढावृत्त
जिह्विवा अतिरिद्धदिदिवा व्यस्यता न सता सजाता नृपानां रुक्मि
वा जिह्वमेतन्निता मगदा ह्वता जिह्विलाता नृपगितक्ता कञ्जसती
या ॥ ॥ धनमूनीश्वरपतिथता अथमता ॥ ॥ विष ॥ ॥
नाउतुलया जूनगलया निष्कताता ॥ ॥ निष ॥ ॥ धनवत्ता
वल्लिपति समालयाताता ॥ म ॥ नाग ॥ विशास ॥ ग ॥ सखिपति

सखिपति
सूक्त ॥ २६

नूयाता न मिर्सेजि मूलाता विलागया रुवन सन समनयाता ॥ दया
लक्ष्मि मियापति रूपगितक्ता ल निविया समालयाय गुपतनमा
ल ॥ ॥ धनगधर्वना जापनिष्कता मूलाता ॥ ॥ निष ॥ ॥ ल
ज ॥ ॥ धनवत्ता वलीताता ॥ ॥ दृष्टम ॥ नाग ॥ विशास ॥ म
॥ सखिपति नूयाता न मिजि मूलाता ॥ ॥ धनवत्ता वलिप
ति सन समालयाक ॥ म ॥ नाग ॥ वसन्त ॥ प ॥ नूया सखी वसिः

(नूया सखी ॥

कन समालनीयाय साउ ॥ ५ ॥ न साक चिकन वयाउ काल
न अशुनिखाल सहीद लसगा समित्वा वाउ धिधिवा सद्धि
ला साउ आननूया नसनदका न साउ ॥ चूसनयात्वा कखान स
पाल ससिठवान उवन समदुजि समान दयाल च्छिमिया धनि
रूपदका समजि नृपगिन लाकक सूर्यन साउ ॥ ॥ धनन
त्वा वलिपनि थउ च्छु सउ ॥ म ॥ नाग ॥ बलालि ॥ लं ॥ नसिक

१ नमि क नि
वा ॥ २०

मिखान सास. धिधिन सग ससाउ. जलिअ सगन नि स थनि
सपाल सु सिद्ध हान न च्छ काउ ॥ दयाल च्छि मिआ धनि. जययका
मया वाणि गुण दका सयक सवान. शिन किउ थमन. थमन वां
ति ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ ॐ मिशान पाल ध्वन मदात्रा जा धिना जयाय
जय जययका ममल्लद व विन चिग. श्री २ नल ध्वन पाइ हा व नाम
नाटक द्विगीया ३ क ४ ॥ ॥ ॐ ३ ॥ ॥ अथ हनीय दिवस ॥

ॐ नमो भगवते
३०

॥ ॥ धननादिम ॥ नाग ॥ वाजविजय ॥ लं ॥ जयजयनृप
नाथमहेश्वर ॥ कु ॥ लं ॥ विरुतिनक्षत्रवृत्तं या खनदूयाता ॥
॥ य ॥ नंदिरुंदिनिक्षदयकाता ॥ ख ॥ पालिपलं रंगराम
काता ॥ लं ॥ नवनसदकाथमशुभपिकायाता ॥ य ॥ सवक
यादुखरुतकाता ॥ ख ॥ नृपजयपत्रकामदवनक्षकाता ॥
॥ ॥ धनसूवाकूदयसीमकर्मोद्यानकर्मोद्यानसूवायवम ॥

ॐ नमो भगवते
३१

म ॥ नाग ॥ कोसिक ॥ ख ॥ हनषमरुतधनिदयिगया नाः
ज. पत्रवमपविजन नापशिठसाज ॥ नृपजयपत्रकामन वसुत
सकाक. सूवाकूनामदठ. अतिवललाक ॥ ॥ धनसूवाकूदय
पनिथता नाशजं ॥ म ॥ नाग ॥ पदनिपा ॥ य ॥ नपावनता न
नूया. हनषयाकाता निवपदरजनन शिठवललाता ॥ गिउव
नजयलय मनस जिआस. नृपतिनक्षाल दकाशयता खदास

ॐ नमो भगवते
३२

मृतिपतिप्रसादनं ॥ म ॥ नमः ॥ वनावन ॥ य ॥ दृष्टियुक्तननया

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सहिन्या॥ ३४

सुनवनिग ॥ ३७

गयाउ नृपगियावचनन मननवथलाउ ॥ ॥ धनवलावः
लीपनिमनखानयाक ॥ ॥ तिघ ॥ ॥ धनवलावलीपनिमन
सुनखमीपजा आनायनायाक ॥ म ॥ नाग ॥ कदा ना ॥ ख ॥
॥ सुनखमीरुजलपउतननया आउउ स्याकदकोरुगलायख
काउ ॥ सुखीहजिशयगुगनविलागी ॥ ॥ ॥ सुनिमतिजयपन
काभनलाय सुगतिमनसुतय गनमनयाय ॥ ॥ धनवलाव

सुनवनिग ॥ ३८

लीपनिमनधनयाकाउआक ॥ ॥ धनसुगकउदपनिउआद
धन ॥ ॥ धनसुनखमीदवीपलदशउ ॥ म ॥ नाग ॥ कदा ॥
॥ ॥ ॥ सुनखतिपनवमशुलनसजाउ सुगगउधननयाय
यातखयाउ ॥ दयालद्धिमियाधनि जयपकाभ नृपगिसमन
नसुशयूउविलागी ॥ ॥ धनसुनखतिदवीपजायाक ॥ ॥
तिघ ॥ ॥ धनसुनखमीदवीपूकननशउ ॥ ॥ वजीम ॥ नाग ॥

१५ निजिन
जादा ॥ ३१
१३ पवन
जादा ॥ ३२

वल्गुलि ॥ ख ॥ थनिजिनयादा थमरगतउधन थउ
थमरगतसुसुवाननसमान ॥ नृपतिनननसुसुपयासिहमा
नजननजिनदयक नसपनमान ॥ ॥ थननलावलीउपव
नउ ॥ म ॥ नाग ॥ मान्वा ॥ ग ॥ उपवनउनसखि जनः
यायनसुनविग लावनसिहखलाकाउ मनसजुगितउकास ॥
दायालुचिनिधाधनी नृपनाज जयपवकाग लाककनसिक

५ ला २

श्याउ विनसमगउनसयाथस ॥ ॥ थनसिमादवलनदि
लिकाय ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ थनसिमाखानमानय ॥ ॥ थन
नलावलियनिउपवनउजा ॥ ॥ कथु म ॥ नाग ॥ मान्वा
॥ ग ॥ उपवनउनसखि जनयाय ॥ ॥ थननलावलीयनि
सवनविहानयाक ॥ म ॥ नाग ॥ वसक ॥ य ॥ वनविहानयाय
सखिनगनसयाउनसिकगयाउ ॥ ॥ वलिचवलिखानहा

१३ निजिन
जादा ॥ ३२

याउ। एवलनदूगुदूह इलसायाउ। काकिलनसन दालवसम
इयाउ॥ जयपनकागन क्काकसियाउ। नसवसयायसां जिजि
समूकाउ। ह्वानधयाउ। थिथिकयकिहिलाउ॥ ॥ **धननलाव**
लिपनिमदादवया राजनायामउ। गिय ॥

॥ थ

नसिमाह्वानमालिकाय॥ ॥ ल ४ ॥ ॥ धनसिमागुदागय॥

रमनूरवयाजिडासासंयायनूथानास॥

॥ **॥ धनशीमनादनादसुविकटमुखीनादसी निद्राउउ॥ म॥**
नाग॥ **कजा ना॥ य॥** यावमुखीमनवसनयाजिजिवास रुगद
अनवाननवपनिखसनयजाग रुगद॥ वीनजययकोगन
हीठखंक्काक रुगद निद्रसयाखालखस नलसुमश्चाक रुग
द॥ ॥ **धनशीमनादनादसनसामालउ॥ म॥** नाग॥ **विहास॥**
य॥ ह्वयजिनआदाल निवनसउकाउ। नसयासवानजन

(धानम
वि॥ ४०

(वयजिन
जाला॥ ४१

मनस्कृत्याउ॥ जययत्रकाभनृप क्लृप्तियाउ गुह्यशुभ
दयक गमासुवियाउ॥ ॥ धनविकटमुखीनादसापनिक्षय
या॥ ॥ धनसिमागुहालिकाय॥ ॥ ल॥ ॥ धनवत्तपुत्रम
हादवउरुनवादिनीगंगतय॥ ॥ धनवत्तावलियनिमहा
दवराजनयागउ॥ ॥ हृथूम॥ नाग॥

॥ ॥ धनवत्तावलियनिम

नगंगमसुखानयाक॥ ॥ निष॥ ॥ धनवत्तावलियनिमनव
त्तपुत्रपूजायाक॥ ॥ धनवत्तावलियनिमनकीर्तनयाक॥ ॥
निष॥ ॥ धनवत्तावलियनिष्कानयाकाउ॥ ॥ धनमहा
दवपावनिनिर्णययदशुउदधुनं॥ ॥ धनवत्तावलियनिमन
पूजायाक॥ हृथूम॥ ॥ धनमहादवपावनिजकृष्णनशुउदध
नं॥ ॥ धनवत्तावलियनिधउ॥ ॥ म॥ नाग॥ वलात्रि॥
*नाग॥ मानूधनापी॥ य॥ निवयापालियल जिनरुजलय॥

✕
 नमो नमो
 ५२

वा ॥ वसंकवयवसुनरुलदगमान ॥ ५ ॥ ममनवसुनसु
 खियाउा जनमसुरुलरुलआउा ॥ नृपजययुकागनज्ञायस
 गमितुजनसुखलाय ॥ ॥ धनमदादवनदिलिकाय ॥ ॥
 ल ॥ ॥ ॥ निधानपालधनमदावाजाविवाजयीयीजयजय
 पुकागमुल्लदवविनविनया २ ननधनयाइकावनामनाटकए
 नायाइक ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ अथननुथदिवस ॥ ॥

(जय २ ००) वन ॥ ५२

धननादिम ॥ वाग ॥ एवव ॥ मय ॥ जयजय ॥ ॥ धनजयमेनि
 नाथ ॥ ५ ॥ रुतसंगयासनटनयाकनिल्यामकनननववसुसंरुत
 अतिनामसुन ॥ दूविगतजनरुगगतजनदेखगगमदनामन
 ॥ सावकाजशावसिनसुनगयाकउाकननसुवनसुदवजगतका
 वन ॥ ॥ उाकसुशावनसुखयासाधनहाकनवयमिवाजन ॥
 ॥ ॥ नैथकाकिवमोवाजायाकसलगावावावनमंजनीवा

इति श्री
सुदामा ॥ ५३

निवाधा नवद्विर्महीज्ञानकलासखी कामदरुकाटवा नयायः
वग ॥ म ॥ वाग ॥ सार्वग ॥ वा ॥ इति श्री सुदामा ॥ ५३ ॥ पत्र
वग शलथन थउ जन सहितन किनतिवनमानासनाज कुलवल
कलथल सुवपति समकुल धनमसुवग सिद्ध साज ॥ वसिकजन
ग्रामनिदयालक्षिमियाधनि जयपत्रकागन काल थयापत्रता
पत्रसु त्रिपूगज शलविष्ट किथदतनासक्तसहाल ॥ ॥ थ

इति श्री
सुदामा ॥ ५४

सुदामा निरुद्धा ॥

ननत्रमंजली सखीज्ञानकला उपवन उं ॥ म ॥ वाग ॥ मान
वा ॥ ल ॥ इति श्री सुदामा ॥ ५४ ॥ पत्र
रुगतिगयाउ ॥ दयालक्षिमियाधनि जयपत्रकागन नृपतिनका
लमदरुकाटवा नयाय ॥ ॥ पत्रकीर्तिवर्मावाजापतिथउद
मंज ॥ म ॥ वाग ॥ जयजमनि ॥ वा ॥ सुदामा निरुद्धा ॥
उान ॥ ५४ ॥ नीतिस्व संपूजन लखलपमाल कनसहितक

याय नया सुसाल ॥ नृपव नृपय पव का मन काल कलया
 धनमथ उधमहनमाल ॥ ॥ ल १ ॥ ॥ धनवसुह निप
 निमसाहन उ उ ॥ ॥ द्धुधम ॥ नाग ॥ ववा उ व ॥ ॥ दधि
 य उ न नूया उ विला न ॥ ॥ ॥ धनवत्तावलीपनि उ
 उ ॥ ॥ निप ॥ ॥ धनवत्तावलीपनि जंरु ४ पूव उ ॥ ॥ म ॥ नाग
 ॥ पुधमंजलि ॥ वा ॥ जगनया जननि स वचन प्रमाण मरुयमद्वन

जगनया ॥ ४७

स रुथि उ निदान ॥ सखिपनि जंरु पूव उ न नून नान नृपनिनः
 काल गयरुल ज सुमान ॥ ॥ धनवसुह निगंधर्वपनिपनिद्वप
 नचा ॥ ॥ ल २ ॥ ॥ धनवत्तावलीपनि जंरु ४ पूव उ उ ॥ ॥
 द्धुधम ॥ नाग ॥ पुधमंजलि ॥ वा ॥ जगनया जननि स वचन प्र
 ॥ ॥ धनवत्तावलीपनिद्वद ॥ ॥ धनवत्तावलीयावप्रश उ
 दं उ उ ख उ सायसा उ ॥ ॥ धनसखिनि कंरुलं चा उ दं साक

६६ रेखा ॥ ५१ ॥

॥ **॥ धनवत्तावत्किं उरुना उरुन ॥ म ॥ वाग ॥ लोका माल ॥**

॥ **ख ॥** दृढ सखिश्दूख या खंकाय स्वपन सखका जिन जा अ ॥

क ॥ मदनया तुलनूप पूरुषाया अ न सया सता नालाता अ ॥

अकथनश्च जिन सखका अ गाथ जिन मन धिन या य लूमकलूम

क प्रति विकल सिया अ माल माल नृपतिन लाय ॥ **॥ धनवि**

गलखा अर्न गलखा किं उरुना उरुन ॥ म ॥ वाग ॥ काला अ ॥ ख ॥

६६ ना ॥ ५१ ॥

दृढा ना नी मन ग स विन नि नि या य ॥ **क ॥** गुगुलि कल या अ सना मः

गुगु जिन स सिया क गाथ माल मरूम निदीन ॥ द विया वचन थ स्व

पन सखन द्युन धन गव साय अ क काल नृपतीन ॥ **॥ धनविः**

गलखा अर्न गलखान विगुपट स वा क ॥ म ॥ वाग ॥ विना स ॥ ल ॥

॥ नादी या अ मन धिन ॥ **क ॥** खगुलिया उवन या दका जन नूप

उतिया सवीय विगुपट स खनूप ॥ दया ल द्धि मिया धनि जय पन

मन धिन या अ नादी य न स्व सिया अ ल द्धा ख अ क जन साहन निदान ॥

मन धिन ॥

या द्धि ॥

कामनृपगित लोकाख्यं शय्यं विक्रमं ॥ ॥ धनवत्तावलि
त्रिगुणैरकायां लोकाख्यं शय्यं विक्रमं ॥ ॥ नृपवत्तावलि
लिपनिर्ज्वालावनपूज्यं दृग्गुणं ॥ म ॥ नाग ॥ कदा नाग ॥ इव ॥ सखि
नृपजिमेन धनि धिवनमवाह उदाहृतं कनूपलमदलमः
दगरथयाययूनगजस ॥ गजलायमानतयायवैवधजनम
जिज्ञाता गरथवाननृपगितवददधनधेवजयाता ॥ ॥

धनकुलिकाय ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ धनसिमानदिदउलतय ॥
 धननत्तावलिपतिर्ज्जानसावनउउ ॥ ॥ निप ॥ ॥ धनन
 त्तावलिपतिस्त्रानयाक ॥ ॥ निप ॥ ॥ धनसखिपतिस्तनयूजा
 सामादक ॥ ॥ धननत्तावलिपतिस्तनयूजिकाएवानियाउ
 यूजायाक ॥ ॥ निप ॥ ॥ धनदेखपतिउउ ॥ ॥ माक ॥
 धनसूवाददेखनकन्यावमययागक ॥ ॥ धनसखीपतिहुल

॥ प्रह्लाद उवाच ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥
॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥
॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥
॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥
॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥
॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥
॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥ यत्किञ्चिदपि कुरु ॥

2562

गोपबन्धनसंगम ॥ ७३ ॥

म ॥ नाग ॥ वासकात्रे ॥ ख ॥ तावमनसुतयद्विदयाजीन ॥
गुणगसवद्वयगिनिवलधवलपुत्रवनसमदूअसमानाग
विमनदललपुत्रिगुवनलखलपुत्रासयासावतदतमान ॥
गुप्तसुनसगगसगसगनअनिलससूगफलदेखयाजाल
आकृष्टयाएजनसुनगशसयाककससदूतयनृपतिनहा
ला ॥ ॥ धननाबदनवसूतिजाकाउदहकाउ ॥ ॥ धन

गोपबन्धनसंगम ॥ ७४ ॥
२५ निबन्धन
धन ॥ ७४ ॥

नानदाकिउरुवाउरुन ॥ म ॥ नाग ॥ धनाग ॥ ख ॥ गनतहि
ननदयिगाआआकयाहवनयागवदानअनितचिरुलनागउग
नतियाआगथिनखरुनकदेन ॥ ॥ अमवसूतिउरुवाउरु
न ॥ म ॥ नाग ॥ धनाग ॥ ख ॥ मनिवनथनसजिआदाकायजिआ
उमिर्कन्यागगलायधागालहलवासहलजितिनसअखत
जिहलहायहाय ॥ गुप्तमनिधमवयिनअयाआरुयिआमेखन

रुनिरयानि ३३

उनिदान नृपनिवाजनलाल मननदियाउ लायिउषदवया
दधान ॥ ॥ धननावदउं ॥ ॥ निघ ॥ ॥ धनवमरुनिघनि
कन्यामालउं अं दालं ॥ म ॥ नाग ॥ विनाम ॥ लं ॥ हविहनिधनिः
वक्रसकदखयाखं लाय ॥ ॥ ॥ मखकयालाहामिह लानकावक
दिनसुपिदिगसुहलउपहासकनामथजनवानखसुवाकाथ
मसानगसुलाककणीजयपनकानन ॥ ॥ ल ॥ ॥

अथधनाधन ॥ ३३

रुनिघानपावधनमदानाजाधिनाजगानाजयजययकानम
नदवविनविनगाइननधनयादुसावनामनाटकवडाअइक
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ अथधनमदिवम ॥ ॥ धननादि ॥ म
॥ नाग ॥ पथमअलि ॥ ॥ ॥ जयधनाधननाजनदिनिचननस
वनयाथमसुनयायगुनगनदकोलायधनसानथनिपनमानन
जययकाननलाकसावन निवमलयायमनसुनपुनरुलना

यदूषपालश्य विडा छिन जिग हानन ॥ ॥ मप ॥ ॥

॥ ॥ धनमदनसूदनाजा मानकलानाजी मादकलासखि हान

सिद्धमंथी वरावाजकाटवानपवण ॥ म ॥ नाग ॥ नाट ॥ ऊ निव

डा ॥ मदनसूदनाम पनवनयाकन अपनवनगुललाकरूप

निर्वललाकन ॥ किनगिनतुवनया पनकागयाकन दयाल

छिमियापनि नृपगिनलाकन ॥ पहव ॥ हानकाजगुलियाक

(मदनसूद ॥ ३८)

मदूधयाजालन पनजाया अतिदिन नृपवाज अतिवीनन ॥ ॥

धनकाटवालमहांसलु ॥ ॥ धनधमगुसिद्धमादानडाडा ॥ ॥

निप ॥ ॥ धनजीडासिकामसिनायनिक्कडाडा ॥ ॥ निप ॥ ॥ ध

नखालमालका ॥ ॥ धननायपनि सननादान ॥ ॥ धननायनिक्क

डा ॥ ॥ नृनिप ॥ ॥ धनमानदडा हानदडा नामदडा नायदडा

संज सिधायिपनिडाडा ॥ म ॥ नाग ॥ य हलिया ॥ अ ॥ वायकल

(शोचकल
मनगाया)

५०
अतिनमस्तुते॥

सलताया मिजिस्मूडाउ। उतनूयापासापनि अदलया साज्जा
 डाउ॥ अमंनलायथन कनमकडाउ दयालच्छिमियायउ नृप
 गिनकाकनसजाउ॥ ॥ **थनमदनसूदनवाजापनि अदलउ॥**
म॥ वाग॥ सारंग॥ ५॥ अतिनसवसमनयासनयाजाउ अद
 त्रियापनिगुंउडाउ बलागुंख अनह्वयदकालाउ॥ दयालच्छि
 मियाधनि नृपनिमदूकमनि जययकामनसिद्धधउ बलसज्ज

५१
सखिआउ

दलयाससूखयाउ॥ ॥ **थनमानकलानागी मादनकलासखि**
थउवाअउ॥ म॥ वाग॥ वनाउव॥ ॥ **सखिआउवउतननूया**
थउदमसुनसमनस॥ ६॥ वसिकथमनकद मादनमनयाह्व
 यजूनयूनया लोकससूदनवास॥ धनममूनिनृपववनवसया
 सिनिउददकया शयउयूनजआग॥ ॥ **ल१॥** ॥ **थनसिमा**
नदिमहादवनय॥ ॥ **थनननमंजनिवागावा सखि दवपूजा**

१५॥
१५॥

आगडाउ॥ ॥ हूथूम॥ नाग॥ मान्ना॥ ली॥ हनषमनसुनसुन
सुनदकाउ॥ ॥ धननाकसनआहालमालडाउ॥ ॥ हूथूम
॥ नाग॥ विसास॥ प॥ हयजिनआहालनिवनसुउ॥ ॥ धननाक
सनकन्याऊ॥ सखिविसुउ॥ ॥ तिप॥ ॥ धनननमऊलियाः
विलाय॥ म॥ नाग॥ धनायी॥ ली॥ धनिजिनदूखशलदाय
हविहवि॥ कनमरुवनथनद्वय॥ उहविहवि॥ ॥ ॥ नृप

गिनलालधनयायहविहवि॥ धेनजसनगुनलाय॥ उ
हविहवि॥ ॥ ॥ ॥ धननाकसनकन्याऊ॥ डाउ॥ ॥
माक॥ ॥ धनसिमानदिदउललिकाय॥ ॥ ल२॥ ॥ धननदि
दवगय॥ ॥ धननलावलियनिसदिगनननवूउनागकमान
पनिकानिदयसुउ॥ म॥ नाग॥ काकनला॥ ॥ ॥ आउनजीउनकागि
दम॥ ॥ वननशीवनिवदन॥ ॥ धनननवूउदिनलानयाक॥
नयाउसुलजनमसुखलाउ॥ दयालविमियापतिजयवनकागनृपनि
नलालशिठधंस॥ १॥ ॥ x

१५॥
१५॥

तिप॥ ॥धनमहादवपूजायाक॥ ॥तिप॥ ॥धनमंदाहन
 वसुतिपनिउा॥ ॥द्वयम॥वाग॥विहास॥लं॥द्विद्वि
 धनिवृक्षसका॥ ॥धनवसुतिपनिमनदवदवतयाक॥ ॥
 धनवसुतिपनिमनवाकलद्वयाउासाकनवावलिपनिमनखद
 ॥ ॥धनवलावलिपनिमननागनाजाजाकाउाद्वहाउा॥ ॥धनव
 लावलिपनिमनवत्तुतापलागक॥ ॥धनवसुतिद्वहाउा

॥ ॥धनदानपावनपूनादिगजातिविवाह॥ ॥द्विप॥ ॥
 धनवाकाउाद्वहा॥ ॥उतिर्य॥ ॥धनकंकनबंधनयाक॥ ॥धन
 वत्तुतापलाद्विपनिमनवावलिपनिमनवावलिपनिमनवावलि
 निनदउानजात॥ ॥धनदासपनिमनयहृकनअग्निदक॥ ॥
 धनमनीषवतयहृयाक॥म॥वाग॥कोसिक॥वा॥वदयाविधि
 नजिनधनयहृयायअग्निवियाउाद्वमननसयाय॥दयाल

द्विमियापनि नृपतिनक्षाय वनकन्याति क्रसया सिद्धमनिलाः
 य॥ ॥ धनदासपनि समालक्याल ॥ ॥ धनमनीश्वरजा
 तिकीपनि उ॥ ॥ निप ॥ ॥ धननक्षत्र उ नलावनिपनिः
 अरु॥ पूल उ॥ म॥ नाग॥ वा॥ वा॥ प्रियनया उत विला
 मया च्छम शावत सन सगुल लम॥ आनंदमन च्छनया उ॥ क
 ॥ दयाल द्विमियापनि नृपतिनक्षाल पिनिनिनदकान

सजाल ॥ ॥ धनवसूतिपति सर्वपनिक्षयं ॥ ॥ धन
दीपवलि काय ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ धनवत्तु उवत्तावलिवति
अनूपनता ॥ ॥ हूथम ॥ नाग ॥ श्री ॥ श्री ॥ प्रियतया ॥
नविलागया हू ॥ ॥ धनवत्तु अतिगुप्त ॥ म ॥ नाग ॥
वलालि ॥ श्री ॥ हौथिनमतया हू धनजिमनन ॥ ॥ ॥ धनव
पञ्जउवनखकाता हूदनीन शातातजि साता धनमाननन ॥

वति सैव विस्मिता न सैव जीया वन नृपति वचन सिद्ध
 वन न॥ ॥ **धननलाय कि ॥ म ॥ नाग ॥ कदाला ॥ य ॥**
 आता विनति चिन्मननत स नृपति मतिन हा ताता जि स्या
 मख नृपति ज दिन देयान धनि ॥ वय स म दनि साता रुथ या
 य म न म सिता व स न हा अनन ला क म ख काल नृपति न
 ह य उ ध नि ॥ ॥ **धननन नृपति वलि ववा इ मा इ या थ**

आता विन
 नि चिन्म ॥ ५१

सता ॥ ॥ **तिप ॥ ल ४ ॥ धन सि मा न य ॥ धन म**
द न स द न ना जा पति अ द ल ताता ॥ रु थ म ॥ नाग ॥ सार न ग
॥ य ॥ अति न स न स म न या स न या आता ॥ धन स ज पे नि
स न द ताता य क काल माल का ॥ धन अ द ल या क ॥ म ॥
नाग ॥ प द लि या ॥ य ॥ या य न अ द न थ नि जि जि स म काता
बला रुं ख थ न सिता रिन क प काता ॥ पिदि ग स पा म दू य

आय न
 द न थ नि ॥ ५२

जननूलादाउ नृपवत्रजयपत्रकाशनसगाउ ॥ ॥ थ
 नवलाउउ ॥ ॥ थनवाजाबुध्वलानदयकलनुद ॥ ॥
 थनयजापतिपनसाकमालइउमलउ ॥ ॥ थनमंगीपतिइय
 नवाजामालउ ॥ ॥ तिप ॥ ॥ थनसिमालिकाय ॥ ॥
 लूज ॥ ॥ थनबुधानसिमातय ॥ ॥ थनबादसिनिपनिद
 पनउउ ॥ ॥ थनबादसनकन्याजादाउउउ ॥ म ॥ वाग ॥

X
 इति
 नमः ॥ ३

काहि ॥ वा ॥ इलजिजनमसानथआउ ॥ धु ॥ दयिवनविल
 नंजिपनयासआसबाजकन्याजासुनउनथउवात ॥ थननि
 विवसंयासवानसुखलायदयालद्विमियापनिनृपनिनकाल
 ॥ ॥ थनबादमीनबादसथकाउदद ॥ ॥ थनकन्याश
 द्यागपराउ ॥ ॥ थनबादमीनगकिउकाउउ ॥ म ॥
 वाग ॥ यथमंजति ॥ वा ॥ कामयावसइलबादसआउल्यासः

कामया
 वसइल

सिमा हसगल नक जिम धाउ ॥ सिमा कास बाढ कृति नउ
 धक धाल नृपतिन काल थम उ कसाय माल ॥ ॥ थन बाढ
 सन सिमा गया उ मा क ॥ ॥ थन बाढ सउ ॥ ॥ जा क ॥
 थन बल सज बीप निद पन बां ॥ ॥ ल ५ ॥ ॥ नि नि कुः
 मा सव पत्र मा इ क ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ अथ पत्र म दिव
 स ॥ ॥ थन नादि म ॥ नाग ॥

॥ थन सिमा गय ॥ ॥ थन मदन सुदन बाजा बलान दूय का
 उर उ बला वि सउ ॥ ॥ जा क ॥ ॥ थन बाजा सिमा का सव
 द ॥ ॥ थन म कि जा का उ बा द सी उ उ ॥ ॥ दू थ म ॥ नाग ॥

X
पुनः प्रजावा
पुनः ॥ ११ ॥

प्रथमं जति ॥ वा ॥ कामयाव स रश्मिना दस ॥ ॥ **थनवा दसी दूहाः**
उं स्रुदमी नृप नडा उ थह ॥ म ॥ नाग ॥ र च्छा रु नी ॥ वा ॥ पुनः प्र
या वा स थन मख सौ उ अनेक न हान कू वृद्धि दू न जन लोक
न खन का उ दह द्वि गद्य या ॥ जिन ह या जि उ क म ति स्रु
अ थरु लिन हान क य कि स्रु व स रा व नि थ म या उ वी न नृ
प नि स्रु द या ॥ ॥ **थनवा जानन कि का या उ न उ ॥ ॥ थन**

१२
अजा नि उ ॥

सी म ना द ना द स उ उ ॥ ॥ जा क ॥ ॥ थन सी म ना दा कि यः
द्व ॥ म ॥ नाग ॥ पद विद्या ॥ नृप य ज ॥ ऊ जा नि उ जा न या उ
न जा उ मृष्टि या पु हा न थ म स्रु द या उ ॥ ॥ **थन म द न स्रु द या**
कि मृद्व ॥ म ॥ नाग ॥ पद विद्या ॥ नृप य ज ॥ कृ य न न मन सा
य व ल न म वा उ ला क म हा वा ऊ क थ म द्रु ध उ ॥ ॥ **थन**
वा द स्रु ति क ॥ ॥ थन वा जा वि कट मृ खी नि कं कं या या थ स उ

X १७७ अ० ॥
२३

२३

॥ म ॥ वाग ॥ वनाउ ॥ वा ॥ पउ आउ ॥ व ॥ अननूया जिजि निम
सव सवन स ॥ ५ ॥ वसि कथमन ठ ठ माहन मनया हय अन प
वया लोक स ह द व वा स ॥ धवम स व ति न प व व व स या ति नि उ
ठ ठ क या शय उ प व न आ न ॥ ॥ थन सिमालिका य ॥ ॥
ल १ ॥ ॥ थन सिमा दान य ॥ ॥ थन वल्लम ज वी वा नी वा
प वि द प न उ उ ॥ ॥ थन विकट मूखी वा द सी न वा जा वा

X १७७ अ० ॥ १४

ठा उ द उ ॥ ॥ ह थ म ॥ वाग ॥ वनाउ ॥ वा ॥ पउ आउ ॥ व
अननूया जिजि निम सव ॥ ॥ थन म द न स द व विकट मूखी
वल्लम ज वी प नि की र्ति व म्मा वा जा या थं स उ ॥ म ॥ वाग ॥ प थ
म उ वि ॥ वा ॥ स द व मन स व स शय का उ जि प नि स वा स ह द न
अ का उ नि वि या व ग न अन ॥ ५ ॥ नि व स य श ल थ नी प व व
या रु व द नि स व ल य च्छि व न ग आ उ गु व स क न जि न स

खया सुदन दिन दयिवन विलक्षण काउ ॥ दयालु छिमिया
 धनि नृपति गंगामनि सिद्धमनि जयवन काग ॥ क्राफक
 धनमं मनिनी निनिपुन अंति याउ छिनथन वि सुवा सु ॥ ॥
 ॥ **थनसिमा दानलिकाय ॥ ॥ ल २ ॥ ॥ थनकी रिव**
म्यावा जायनि सुताउ ॥ ॥ छथम ॥ नाग ॥ जयजमलि ॥
वा ॥ सुदविनयाथउ नगवउ न ॥ ॥ थनरुन कलासखी वि स

उाउ ॥ ॥ तिप ॥ ॥ थनमदन सुदन बाजाय निउाउ ॥ ॥
 छथम ॥ नाग ॥ पुथम ऊं लि ॥ वा ॥ सुदन मन सन सुदय काउ
 ॥ ॥ **थनकी रिव म्यावा जायनि सर्वम निरावन उा ॥ म ॥ ना**
ग ॥ यरुलिया ॥ य ॥ मानन लाय उा ननया जाउ थउा दग
मनन सुया सु सिद्धताउ न ॥ कावटा काज थउा गुंन काउ
जयपन कागन कालवस जाउ न ॥ ॥ ल ३ ॥ ॥ थनन

मनसवि
नमः ॥ १७

द्विषिमागय ॥ ॥ धनस्रवादस्य देपनिर्ज्वालेन उता ॥ ॥
मं ॥ नाग ॥ ॥ ॥ ॥ मनसवि नमः ॥ जिनलाय
नपावनमदूक्तन मरुगुनकाय ॥ समन्तिनृपतिजययुक्ता
मनकाय दनपदसंजनन सिद्धपदलाय ॥ ॥ धननिर्ध
सदेखनलानयाक ॥ ॥ तिप ॥ ॥ धनस्रवाद उता पूजायाक ॥ ॥
हृथूम ॥ नाग ॥ मानधनाया ॥ ५ ॥ निवयापालिपल जिनराज

उतनया ॥ १८

॥ ॥ धनध्यानयाका उता वा ॥ ॥ धनस्रवादवपलादशुता ॥ ॥ ध
नस्रवादस्य देपनिर्जनपूजायाक ॥ ॥ तिप ॥ ॥ धनस्रवादवप
रुद्रानशुता ॥ ॥ तिप ॥ ॥ धनस्रवादस्य देपनिर्द्विजययाक
उता ॥ मं ॥ नाग ॥ यरुनिया ॥ यथा ॥ ॥ उतनयादवपन सवकज
तमका उता दतासु वलनसुनगल लायथंय ॥ धउलजाजास
हायसमन मननजा उता नृपतिज जयपनका मनसिद्धका उता ॥ ॥

१५३५
२०६

१२४२००

॥ ॥ अतदेवप्रतिपत्तयार्चतिद्वयगयायतन ॥ ॥
अतदेवप्रतिपत्तयार्चतिद्वयगयायतन ॥ ॥

१वी नरुडा ॥ ६७

थनगतनूया प्रति स सुवाहू क्रियुद्ध ॥ म ॥ नाग ॥ कारि ॥ पु ॥
॥ वीनरुडा जानी साउ न ॥ धु ॥ सहयाउ वल न स वाग पदा न गु मा
न काय मन न स व न या उ इल मोद विक्ष न ॥ ॥ थनगतनूया क्रि
युद्ध ॥ म ॥ नाग ॥ कारि ॥ पु ॥ न स या उ वल क स आ उ जीव पि
काय जानी जा क्ष म दू द न स नानृ प नित थ लाय ॥ ॥ थनगत
नूया मरु र्ज न या क ॥ ॥ थनदवी प्रत्य दश उ रूत क उ द प न ॥

२वी नरुडा ॥ ६८

थन स वाहू क्रियुद्ध ॥ म ॥ नाग ॥ मान गी ॥ ओ मां ॥ म न प्र दान द
न सह या उ न थ उ मान न थ न ज स ला उ न दू न रु का वल या उ
गु ग ला उ न रू यि उ ति वि ज न वल जा उ न ॥ ॥ थनद व य युद्ध ॥
म ॥ नाग ॥ माल गी ॥ ओ मां ॥ ख उ ग प न दान जि न या य न द का व
ल क का उ न ग ला य न थ म थि व या का उ ज ग ला य न सा या उ जा
नी नृ प नित लाय न ॥ ॥ थनद व य पति ह्या क ॥ ॥ थनद वी मरु

कि

ज्ञानरुआ ॥ ॥ वच्चा म ॥ वाग ॥ पामा तामम तामा पामा परो
 क्ष क्षरोप माटा रणो गगनो रा तमो क्ष गक्ष क्ष गक्ष
 क्ष मा ॥ ८

॥ ॥ धनपार्वतिपनिदधनं उता ॥ ॥ धनपार्वतिपनिधता वृ
र्ता ॥ ॥ तिप ॥ ॥ धनरुगकता वपनि सतसि कता काता उता ॥ ॥
तिप ॥ ॥ धनसिमानदीलिकाय ॥ ॥ लता ॥ ॥ धनवसस्तति

दुषियर

पनिपविदधयं उता ॥ ॥ धनवत्तवृत्तवत्तावलिता उता ॥ म ॥
वाग ॥ वलालि ॥ य ॥ ॥ अननराजान गका उता ॥ वृ ॥ ॥ रुलजिमा
 नम अतिनलाल स वृत्तनरूपवृत्त समान खका उता वृत्त न जानदका
 वृत्त धता वृत्त अनानान ॥ दयालवृत्तिपति रूपसंमति अ
 ति जयपत्रका गनलाल पूववपूव रुल पत्रका म धनरुल
 हानकल दयिवन ताल ॥ **॥ धनआगीर्वा द विउ ॥ ॥ धन**

५ दन ३

अननराजा ॥ ५२

पशुपति ॥ ६३ ॥ सातासा

नवसूक्तित्वत्तद्वत्पतिपर्वपशुपति दधनयाततां ॥ म ॥
नागर्गमलानां ॥ पशुपतिदधनन नूताकाता रगतितातान
धनि सुदनि मूलाता ॥ गुरुमनि नृपतिन शिठकाता मिवप
नसादन वृक्षरुललाता ॥ ॥ लं ॥ ॥ धनजात्रनि ॥ म ॥
नाग ॥ मान्धनाया ॥ वा ॥ ताता रगतिन स जात्रतिया य ॥
कु ॥ वनन सवन निदा सच्चिपलिया ॥ ॥ विपुन जगुन या

॥ ६४ ॥

जितासक्तिशुद्धया कामदादया कता र्त्त संया आदिपूषक
न मानन दवन पीतिन सया क मूला सया ॥ दयालु च्छिमिया प
ति वीन रूपति जयय कामन लाक साया ॥ ताता अनिवीनन रा
वधन मन जयध मला कन रान सिया ॥ ॥ धनयं म ॥
॥ म ॥ नाग ॥ पशु म ॥ थकु ॥ खव सुदिन द शल संवतन या
ल वाध सिन रुव निधि वरुप निवाल ॥ वक्र या म धनि ठान

खव सुदि ॥ ६५ ॥

यललादू न सहसु रलि आ ॐ ॥ कड न अयलाध मल काल
डा गज्जायि सुहसु रनि रुत आ न समुडि सायि वाय ॥ समुडि
समुडि सायि वाय समुडि सुं धल लायि यक सलि न गल धामि
कालि नागं र्वा ॐ ॥ समुडि गल धामि समुडि सुं धल लायि
कालि नाग नागलला के सलय थ ॐ ॥ हि न वि न य क मन र्वा
त्रयि ह दायि कि सु मन आ नंद र्वा य न गि न ग ॐ ॥ ८ ॥

१ गग ॥ माल ॥ ॥ ऊयड न निरु व न मानिड ग न ऊ न या र्वा
नि । असु त दे र्वा गु मान र्वा डा वि न न मन न हा या ड न ॥ ५
लि डा डा वि गु ल न मू या आ स्या न अ न छि ल न ह न द डा डा वि ल ऊ
यय त का सु न य नि न काल आ न द्रु या डा ड न ॥ ॥ १ ग
ग ॥ ॥ ॥ अ न म या स्या नि र्वा वान ॥ ए ड न व र्वा ग नि न वि स न या डा
न र्वा नि द्रु न धल न य र्वा डा द्रु या ध्यान ॥ न ग न म द्रु न ग न ड न द

नमो भगवते वासुदेवाय

धनं नमो भगवते वासुदेवाय

यका नडाक यनखया ॥ राग ॥ **प्रना** ॥ १ ॥ श्रीख शुयावा स नायनाया
रु सखनकं त्रियायरु नहय रुनगनीदि न ॥ विविदिना नायन ॥ लम
द नूमरुहय दुरवयाखाऊन नामरखरु नमदूयाधिदूदिन ॥ म
नूमनमननलाक नाथ नाम यया नमद नहय मनुखरुं वम ॥ दि
दासयादि यात्रिनिया नय नह्या नमिरुमयाडाखयरु नथय
मान ॥ ॥ १ ॥ राग ॥ ॥ श्री ॥ म नमयासा मरुगवान ॥ रुड नय रुग

धनं नमो भगवते वासुदेवाय

मिन विनात्रयादी न ग्यानिदू नमनलयखडाका याध्म न ॥ गग नम
नमगनन नदयकानडाक यलखया नामधि नदूरि दान ॥ ॥ ॥ दूनिन
दयकनडा नमरुदि दान नरुदि क द्वा सिरुकाडायागडा न ॥ नयननन
नरुनरुमनडा दान थूगीरुसिया नरुडनयिरुगवान ॥ दिदासयासदूम
वदि यात्रिवि नानडनथयखडा नयूदि नडि क दान ॥ ॥ ॥ १ ॥ गामय
थमंजलि ॥ गावा ॥ कानिनिनावसरु या मरुि दू नडाग ॥ मयास

सागरद्वीपकलमवलीगि ॥ २३ ॥ रुद्रवस्त्रवाय ॥ जगिदेयाय
 यत्रयुनाजसुरवक्त्र ॥ जगन्धनिगुनूधायात्रिदमध्वरुते ॥
 कानिकानिदूर्यत्राजगिदेयासिद्धि ॥ युनूतयायकत्राउध्वन
 वावृधि ॥ विनयिकागोदियदध्वनिमाय ॥ सवस्त्रकासिद्धिवाम
 रुद्रुननाथ ॥ २४ ॥ रुद्रगुनूयसायि ॥ वीगदसगिग्याममिन्दिनहि
 गन ॥ उध्वलकलिवाजवगुनूजगन्धन ॥ ॥ रुद्रगुनूयुवनेन

रुद्रनिमाना

द्विस्तगा ॥ युनूतउध्वलमात्रसुरवक्त्रमन ॥ २५ ॥ राग ॥ बालागन
 ॥ गालज ॥ रुद्रनिमानाभाकरुद्रगदिहालिमासा ॥ २६ ॥ उयदयंक रुद्र
 नलजयकय ॥ भारियनाथउध्वलकत्रा रुद्रनिमानाभाकरुद्रगदिहालि
 मासा ॥ १ ॥ रुद्रादयाविनूनदिगनिनदिमाजत्र ॥ मनसायूगनदहार
 वानि ॥ रुद्रगदरवलदूरवनदिमाजल ॥ २ ॥ दविस्त्रवकत्रावास्तन
 ३ ॥ रुद्रयजाम ॥ रुद्रमलगवया ॥ नृगनृगदलसनदहारवानि ॥ ४ ॥

[illegible]

मयहलं हलमविद्या कमयाक ॥ धलमया मनमदूमा यासद्विद्व गाक
नाथा ॥ १ ॥ धधिद रुडरुनमायाभाहलसद्विद्वयाद मनमज्ज ॥ ह्ला
कह्लमनाथयामनविद्वविडा ॥ २ ॥ रुमनह्लसजिहजादाडाअन
यचुडाभक्तिगथधायतान ॥ रुनमरुनमसादि कमलनयाथस
ताकनाथगथरुनथगुनियतान ॥ ३ ॥ रुनाग ॥ धनाडा ॥
गालरुवउनि ॥ रुम देयाविद्वसिदूमाना रु ॥ माविनिर्न

रगश्रयि न उजानिन गन॥ नृकि अनामालिनि॥ अस्तां
 गनरगनादिवाक न॥ ना॥ माविनि अइ वासाये वा गाला
 यवे यकि अनामालिनि॥ बालरु वदे नसु वाचनी नी रु
 ॥ मालिनि निई युन्य द ला वासा खानि॥ यकि अनामालि
 ॥ ॐ ॥ नागा ॥ धनाष्टा ॥ गाला उअना ॥ अय २ अय नृत्यना
 थम रुसा ॥ रुन नयु अ गाल नयास कनस रु ॥ मनस म

अय २ अय नृ

थनाय

काना न गन ग अवि वाख॥ नदि विदिनि कस नका कनि
 रवा ॥ २ ॥ अगिन यि वि विरु ना ना वयि मस २ ॥ था गिरान मय व
 म ३ ॥ धल मय न्या ॥ ३ ॥ लिखिल श्री देविया विन निथास २
 रुया लं दुम नृ य अ गति न अ ॥ ॐ ॥ नागा ॥ काला उ ॥ रुन
 कं थायु ना न आ षु नी ना रु वदा २ ॥ रु न ३ ॥ ये स मा रु दान
 ला रु वदा १ ॥ रु म्य रु या अ उ नि आ षु नि ना रु वदा २ नदि

२ रु नी क २ म

२५ भाग २

नवाभाउमूनारथमानिनाहवदा॥ १ ॥ छिनिनेयासाथसलिल
 नवाहवदा१ घलजावाकोनयत्रिकालजाहवदा॥ २ ॥
 नागा॥ कोला॥ ॥ कामलसत्रिपञ्चनिकामनखरा१ कामन
 वयनछननगनननआउ॥ १ ॥ थउववननदरुयनउयक
 नशत्रिपथपलमदनदानमूमात्र॥ १ ॥ यूपवयाऊयनयः
 रुलमयुला१ ॥ ३ ॥ अनयिपिठिअनिवलनवनाना॥ ३ ॥

वनवनउउरुनगाकाजमथा॥ १ ॥ असजयउसत्रिपथी
 वनयानिआ॥ ५ ॥ नजयनियुजगायमलयाववनशरिभउय
 दुससिआ॥ ६ ॥ अछुअन॥ ७ ॥ ॥ २ ॥ नागा॥ विरामयकनात्र॥
 जोरनमात्रासकनमसात्ररुअत्रछिनियायजावाभाकगक
 मानिललयाकिआत्रदाननविषदात्रमात्रादहास्वामिदानरुअ
 त्रमयनकनमदासहंनयनाकात्रयाकिआत्र॥ ४ ॥ ॥ २ ॥ नागा॥ विरामनात्रा
 १ ॥ ६ ॥ नमनाथयाविमनिवियमननाकात्रवियनिरुदयति॥ भवमदरु
 नरुति॥ मायाभाहाकामत्रारंसनिधुनिसद्विदाकिमसतिसेयाडा

२ नागका
नउ
२५ भाग २

॥ गणेशो नमो ॥ निदयदयकस्य

नयति नयति ४५

॥ विरामनात्रादहास्वामिदानरुअ

॥ निरयति विरामनात्रादहास्वामिदानरुअ

२०
सिवसंक

रुसिवसंक नरु. सिवहलिअनूगति रु नरुगो। नननसंगति अनियन
ननः कोनगति. सिवमना नथमन नरुहता॥ २ नाह हाव यनसनयाडाव
मानअन. सिवजन मरुतिन नुवमास॥ ३ रुमदूसंकनयून उवयिरुनरु
नू सिवसंज नाह वदयनमान॥ ४ कि कुरुव न थीखन रुयगरुसंयानि॥ सि
वसंयति। रुतिरुमदवा॥ ५ रुगनवरु नरु नताममरुध्व न सिवसंजानिक
यनकुडासिवा॥ ६ रुनयविद्यायानिसूनरुमरुध्व न सिवजनू हायवर्तमज

२५
ययकासि
२५

वगमरु॥ नरु नरु रु मागादुरव नथिरु नाह न सूरव सिवसंव हायवकुडा यनसा
न॥ ७ ॥ १ नाग॥ नागूअ ना आदरव यक सिवजागिध्व जागीवरु नयवरु न नरु
जानि नरुहिरु निरुगयति यसूयानिग॥ ८ ॥ १ रुगना ननलीग नअनं गयन नं गरा
निसुंगमनधंग ननिरुव न अदि वसियममान यममान नरुअन २ रुगया
न नृयानि रुगनय कुरुयमधू न २ रुगवानि २ रुगजानि॥ ९ ॥ १ नागय रुनिया
ना वा॥ यनूरव यनसमानि मसिअगा रु नसूध ननन नयारवानि उमनीसि

रवयनस

सहागयाहनसगच्छेननरुनूजिअक्रयायूरयनिसहाअयलखानइ
सूवासकसुनसजादान॥१॥ समनयायूवयासहगनदेवनदयकनस
खनसहूयाउयमानसंसागसथानखोचिधमनगूनयाअमूवनायावन्न
नसिगाअ॥२॥ सहनग्यानिकनरुनयशयिआखमनिगिज्ञानिसकनि
नदयाअहूखदाननजगिकमरवूअहूदूखदनकका॥ विज
ननिहेननियतान॥३॥ यनवनयानिरुयागिंहुमननकायसियाअसंध

रवयनसोगा

निरुनविननियादानसूयनूरवयूववनयासयायिआसगविरवरुया
अखयानिमान॥४॥ सागसावनिनालआसमवमनामनदयसूनरु
वानियगाहनवननकमनरामनमानसरुमनरुगनतिरुवनयसवमरुम
नगाहमकमानियमनकयदनायसुवदिरुदयाधितनकायनमयतिरुगानिला
वचननचननगानिज्ञानियनारिवभाहयतिरुतिरुसकमनाधियमूयननूयध
ज्ञानिनमवमासरुमनरुगानुयानिकगनरुयमनमनानथयूत्रियसवकन

